कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 18 अंक : 71 कानपुर, बुधवार 09 सितम्बर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

किसानों को दिखाई कृषि यंत्रों के प्रयोग की लघु फिल्म

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार,राहुल कुमार, कुलदीप,विष्णु कुमार,राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संपूर्ण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित

www.samarthsahara.com

samarthsaharabhopal@gmail.com

दैनिक समर्थ सहारा

सच को सच कहने का अदम्य साहस

भोपाल

बुधवार

9 सितम्बर 2026

वर्ष: 12, अंक: 086

कुल पृष्ठ: 8

मूल्य : 2.00

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	28.0	24.0
ग्वालियर	33.2	26.8
इंदौर	28.0	24.0
जबलपुर	27.0	24.0

पेट्रोलियम कीमत

पेट्रोल : 114.62 डीजल : 100.65

₹ कीमत

डालर : 95.75 यूरो : 112.00

सेंसेक्स : 77,540 निफ्टी : 24,284

सोना : 1,46,010 चांदी 2,65,000

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

किसानों को दिखाई कृषि यंत्रों के प्रयोग की लघु फिल्म

समर्थ सहारा ब्यूरो

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार,राहुल कुमार, कुलदीप,विष्णु कुमार,राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सूचकांक
75,577.58
-555.23
बुधवार
कानपुर, 9 सितम्बर 2026
वर्ष 69 अंक 249
आर.एन.आई. नं. 6984/58
रजि. मिस-2/CPM/03/KPHO/2013-14
मूल्य 2 रुपया पृष्ठ 8
हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ आर्थिक दैनिक
व्यापारसंदेश

फसल अवशेष पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

–किसानों को दिखाई कृषि यंत्रों के प्रयोग की लघु फिल्म

कानपुर, 8 सितम्बर (निस)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार,राहुल कुमार, कुलदीप,विष्णु कुमार,राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

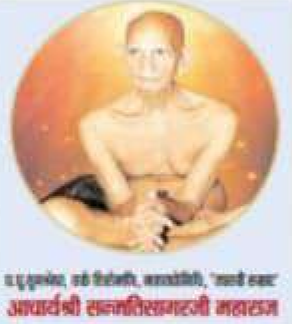

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
लखनऊ, वर्ष: 15, अंक: 257, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. PRGI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 09 सितम्बर 2026 शक सम्वत् 1948,

फसल अवशेष प्रबंधन पर प्रशिक्षण का शुभारम्भ

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार,राहुल कुमार, कुलदीप,विष्णु कुमार,राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

लोक जनसंदेश

वर्ष: 12 अंक: 99 पृष्ठ: 08 कानपुर महानगर, बुधवार, 09 सितम्बर 2026 मूल्य : रु 2.00

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

किसानों को दिखाई कृषि यंत्रों के प्रयोग की लघु फिल्म

संवाददाता

कानपुर नगर। किचंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार,राहुल कुमार, कुलदीप,विष्णु कुमार,राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

पेज- 6

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्षः 15 अंक 190 कानपुर, बुधवार 9 सितम्बर 2026 पृष्ठ:8

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

- किसानों को दिखाई कृषि यंत्रों के प्रयोग की लघु फिल्म

कानपुर नगर, किचंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 से 12 सितंबर 2026) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं का फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर निमिषा ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर किसानों को फसलों में प्रयोग होने वाले प्रमुख कृषि यंत्रों की लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेश राय, डॉक्टर खलील खान, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर दीपक मिश्रा सहित प्रगतिशील किसान शिवकुमार, विवेक कुमार, राहुल कुमार, कुलदीप, विष्णु कुमार, राजू राजपूत एवं माया देवी सहित 25 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।